आसमान से कचरा टपकने की आशंका

अंतरिक्ष में एकत्रित होता कचरा पिछले वर्षों में चिंता का विषय रहा है। इससे निपटने का उपाय अब तक खोजा नहीं गया है। हाल ही में नासा के अंतरिक्ष यात्री क्ले एंडरसन तथा रूसी अंतरिक्ष यात्री पन्योदोर युर्चियन ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से कुछ भारी भरकम कचरा अंतरिक्ष में फेंक दिया है। अब डर है कि कुछ समय बाद यह कचरा पृथ्वी का रुख करेगा।

इस कचरे में एक अमोनिया टैंक है जो आकार में करीब एक फ्रिज के बराबर है और वज़न 600 कि.ग्रा. से ज़्यादा है। एक और बड़ा कचरा एक कैमरे का स्टैंड है जिसका वज़न 100 कि.ग्रा. है। नासा के सूत्रों का कहना है कि अंतरिक्ष यान में इतनी जगह नहीं थी कि इन चीज़ों को उसमें वापस पृथ्वी पर लाया जा सके। इसलिए इन्हें फेंकना ही उचित समझा गया।

अब नासा के राडार इन दोनों चीज़ों पर लगातार नज़र रखेंगे क्योंकि ये काफी बड़ी हैं और देर-सबेर पृथ्वी पर गिरेंगी। माना जा रहा है कि जब ये वायुमंडल से टकराएंगी तो जल जाएंगी। शायद कैमरा स्टैंड तो पूरी तरह भस्म हो जाएगा मगर अमोनिया टैंक का लगभग 20 कि.ग्रा. का टुकड़ा धरती की सतह तक पहुंचेगा। इतना बड़ा टुकड़ा इतनी ऊंचाई से गिरे तो बड़ा संकट आ सकता है।

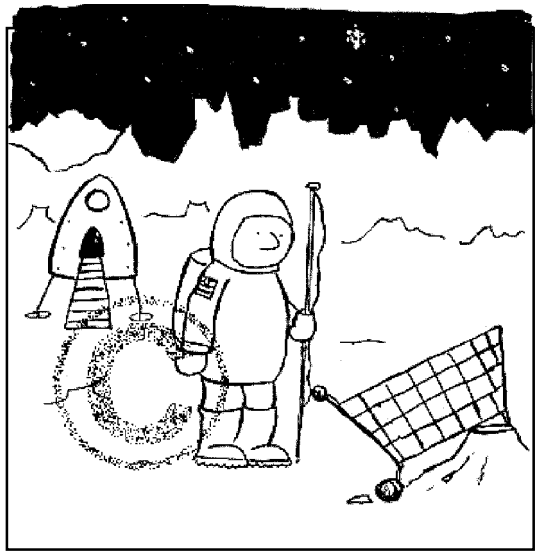

उम्मीद की जा रही है कि अमोनिया टैंक करीब 300 दिन तक तो अंतरिक्ष में चक्कर लगाएगा । उसके बाद यह क्रमशः पृथ्वी की ओर बढ़ेगा। नासा ने यह उम्मीद जताई है कि यह टुकड़ा समुद्र में गिरेगा। मगर थोड़ी संभावना है कि वह किसी बस्ती पर टपक जाए। बहरहाल, यदि यह टुकड़ा खतरनाक रुख अख्तियार करता है तो नासा चेतावनी देगा। स्काइलैब का अवसान याद कीजिए। कुछ-कुछ वैसा ही नज़ारा होगा। ***(स्रोत फीचर्स)***